तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 17.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025

11 सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरतः डा. मिड्ढा

11 सर्वांगीण विकास के लिए मानसिक स्वास्थ्य जरूरी

खबर संक्षेप

कष्ट निवारण समिति की बैठक 29 को

जींद। नगराधीश मोनिका रानी ने बताया कि जिला परिवेदना कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक का आयोजन 29 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगा। डीआरडीए के सभागार में होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता जिला कष्ट निवारण समिति के चेयरमैन एवं हरियाणा के शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा करेंगे। उन्होंने

गोवंश तस्करी के दो आरोपी दबोचे

कैथल। जम्मू-कटरा एक्सप्रेस वे पर रविवार देर रात को गौ रक्षा दल कैथल के सदस्यों की सूचना पर गाड़ी में गोवंश तस्करी करने के मामले में थाना कलायत पुलिस के पीएसआई मन्नू कुमार की टीम द्वारा आरोपी शिव कंऊच दिल्ली निवासी सनी, मुरादी दिल्ली निवासी अमीरुद्दीन अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया।

महिला से मारपीट तीन के खिलाफ केस

जींद। गांव ढाकल में महिला से मारपीट करने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव ढाकल निवासी रानी ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि उसकी पड़ोसी दिलबारा परिवार से कहासुनी हो गई थी। जिस पर दिलबारा परिवार ने उस पर हमला कर दिया। उसे काफी चोटें आई।

मकान से हजारों रुपये के जेवरात व सामान चुराया

कैथल। कैथल के खुराना रोड से कर एक मकान में घुसकर वहां पर रखे सोने में चांदी के आभूषण व अन्य सामान चुरा कर ले गए। नानपुरी कॉलोनी खुराना रोड कैथल के गली नंबर 11 के मदनलाल ने शहर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 अक्टूबर की रात को चोर उसके मकान में घुसकर वहां पर रखे सोने व चांदी के आभूषण, एलईडी, गैस सिलेंडर आदि को चुरा लिया।

रंजिशन हमला करने पर मामला दर्ज

जींद। गांव बडौदा में रंजिशन हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर उचाना थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव बड़ौदा निवासी अजमेर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव के ही अमनदीप से कहासुनी हो गई थी। जिस पर आरोपित ने उस पर हमला कर घायल कर दिया।

एक लाख रुपये लूट मामले में तीन काबू

कैथल। युवकों की गाड़ी का रास्ता रोक कर एक लाख रूपये लूटने के मामले में स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा 3 आरोपियों को काबू किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि चिकनवास हिसार निवासी राहुल की शिकायत अनुसार हरियाणा में आंगनवाड़ी वर्कर के लिए नौकरी निकली हुई थी। उसके साथ पढ़ने वाले बरवाला निवासी सतीश ने कहा कि वह उसे नौकरी लगवा देगा।

गांव कांगथली में मकान से लाखों के जेवर चोरी

कैथल। गांव कांगथली में चोर एक फौजी के मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए के आभूषण सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना के समय फौजी अपनी ड्यूटी पर गया हुआ था और उसकी पत्नी व बच्चे मायके गए थे। सीवन थाना पुलिस को दी है।

अपहरण के मामले में दूसरा आरोपी दबोचा

कैथल। कनाडा भेजने के नाम पर धोखाधड़ी व अपहरण करके फिरौती मांगने के मामले की जांच स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी एसआई रमेश चंद की अगुवाई में एएसआई तरसेम सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी टोहाना निवासी रविंद्र कुमार को काबू किया गया है। आरोपी का व्यापक पूछताछ के लिए अदालत से 5 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया है।

छठ महापर्व : श्रद्धालुओं ने 36 घंटे का निर्जला उपवास रख अस्त होते सूर्य को दिया अर्घ्य

खास बातें
- परिवार की समृद्धि व शांति, पुत्र प्राप्ति व पति दिर्घायू की कामना
- जिलेभर में श्रद्धा के साथ मनाया गया छठ पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद। रानी तालाब पर छठ पूजा को लेकर पूजा करते हुए श्रद्धालु तथा छठ पूजा के लिए जुटे श्रद्धालु। *फोटो :हरिभूमि*

जिलाभर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रवासियों द्वारा छठ पर्व का त्योहार सोमवार को श्रद्धा से मनाया गया। शहर के मध्य स्थित हांसी ब्रांच नहर पर व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने पूजा की और फिर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। श्रृद्धालू पवन्न राजकुमार, चंद्र सिंह, चिमन शर्मा, फूल कुमार आदि ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार छठ पर्व पर 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखा जताा है। इस व्रत को रखने से श्रद्धालुओं द्वारा मांगी गई मन्नते पूर्ण होती है। अपने परिवार की समृद्धि व शांति, पुत्र प्राप्ति व पति दिर्घायू की कामना के लिए छठ पर्व की पूजा की जाती है। यह पर्व शुकल पक्ष छठ मनाया जाता है। छठ का पर्व चार दिन तक सूर्य की उपासना करके मनाया जाता है। नहाय-खाय के दिन कद्दू व चावल का भोजन करके उपवास करते हैं। उसके पश्चात खरना के रूप मनाया जाता है। इस व्रत में 36 घंटे तक बिना पानी पिए रहते हैं। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में छठ आस्था व भक्ति के साथ मनाई जाती है। उससे अगले दिन छिपते सूरज को अर्घ्य देते हैं तथा अगली सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर मनाते हैं। इस पर्व को सदियों से मनाया जाता है। जिसके पीछे आस्था से जूड़ी हुई अनेक मान्यताएं है। इसके साथ ही गन्ने की रस के रस व चावल के खीर से अपना व्रत खोलते हैं। यह छठ पर्व बिहार, उत्तर प्रदेश समेत विदेशों में भी मनाया जाता है। पूर्वांचल प्रकोष्ठ के प्रधान संतोष कुमार ने बताया कि छठ पर्व की पूजा चार दिन चलती है। दीपावली के चौथे दिन पूजा शुरू हो जाती है। इस पर्व की खास बात यह है कि कुछ परिवारों के सदस्यों की इस दिन भीख मांगने की भी परंपरा है। इसमें वह अपना चेहरा नही दिखाते हैं। जिसकी जितनी श्रद्धा होती है।

25 अक्टूबर को हुई थी छठ पूजा की शुरूआत

25 अक्टूबर को नहाय-खाय करने के साथ ही छठ पूजा की शुरुआत हुई थी। जिले में इस समय पूर्वांचल के लगभग सात हजार लोग रह रहे हैं। खरना के दिन छठी मैया को प्रसाद का भोग लगाने के बाद 36 घंटे के कठोर निर्जला व्रत की शुरुआत हुई। गुड़ के मीठे चावल, सुहारी का प्रसाद बनाया गया। छठी मैया को भोग लगाने के बाद ही श्रद्धालुओं ने प्रसाद का भोग लगाया। सोमवार शाम को श्रद्धालु अपने परिवार के साथ पिंडारा, रानी तालाब, जयंती देवी मंदिर के निकट स्थित हांसी ब्रांच नहर पर पहुंचे और डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर श्रद्धालुओं ने संतान सुख, परिवार के कल्याण के लिए सूर्य देव से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगलवार को चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन ही व्रती श्रद्धालु अन्न के बाद पारण करेंगे। पूर्वांचल के विजय सिंह ने बताया कि छठ पूजा को महापर्व की भांति हर्षोल्लास से हर वर्ष मनाया जाता है। छठ पूजा को लेकर झारखंड, बिहार, बंगाल, मध्यप्रदेश में विशेष तौर पर तीन दिन की छुट्टी होती है। पूर्वांचल प्रकोष्ठ के संयोजक संतोष कुमार ने बताया कि छठ ऐसा महापर्व है जिसकी जड़ें आज से नहीं बल्कि रामायण, महाभारत काल से ही जुड़ी हुई हैं। श्रद्धालुओं को छठ महापर्व का पूरे साल इंतजार रहता है। छठ पूजा करके श्रद्धालु संतान सुख, परिवार के कल्याण के लिए सूर्य देव से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इसका धार्मिक, सांस्कृतिक रूप से बहुत महत्व है। खरना के दिन छठी मैया उपासना की जाती है। यह व्रत शारीरिक, मानसिक शुद्धि के लिए किया जाता है। खरना के दिन बना प्रसाद को देवताओं को अर्पित करने के बाद ही ग्रहण किया जाता है। खरना का व्रत ईश्वर के प्रति समर्पण, भक्ति का प्रतीक है।

एनक्वास टीम ने नागरिक अस्पताल की टटोली नब्ज, वार्डों का लिया जायजा

मरीजों के प्रति अपना व्यवहार शालीन रखने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में सोमवार को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्वास) की टीम निरीक्षण कार्यक्रम को लेकर पहुंची। टीम ने अस्पताल में व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया और जो छोटी-मोटी खामियां मिली, उसे तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए। टीम ने स्पष्ट किया कि अस्पताल बिल्डिंग के रखरखाव को लेकर किसी तरह की कोई कमी न रखी जाए। सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। इस निरीक्षण का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना है।

जींद। नई बिल्डिंग के दवा वितरण कक्ष में फ्रिज की जांच करते तथा नागरिक अस्पताल में पूछताछ करते एनक्वास टीम के सदस्य।

चार सदस्यीय टीम का ये रहा फोक्स

एनक्वास टीम में डा. गुरप्रीत, डा. प्रदीप, डा. विकास तथा रमन रहे। टीम के चारों सदस्यों ने नागरिक अस्पताल में अलग-अलग जगहों का अलग-अलग तरीके से निरीक्षण किया। डा. गुरप्रीत ने ओटी, ओपीडी को जांचा। उनके साथ वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी सुनीता दूहन रही। डा. प्रदीप ने एमरजेंसी, ब्लड बैंक व आईसीयू का निरीक्षण किया। उनके साथ डा. पूनम रही। डा. विकास से एसएनसीयू, पीडिया ओपीडी देखी। रमन ने एनआरसी कार्रवाई को जांचा। टीम का निरीक्षण के दौरान सबसे पहले साफ.-सफाई, मरीजों की दी जाने वाली सुविधाएं, इंफेक्शन कंट्रोल, रिकार्ड मेंटिनेंस, बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट का निरीक्षण करती है। इसके अलावा मरीजों के अधिकारों और अंत में प्रदेश सरकार की योजना संबंधी प्रश्न स्टाफ और इलाज के तौर तरीकों के बारे में जानकारी हासिल करने पर फोक्स रहा।

इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी, रजिस्ट्रेशन काउंटर, लैब का लिया जायजा

एनक्वास टीम ने नागरिक अस्पताल का गहनता से निरीक्षण किया व विभाग को सर्टिफिकेशन के लिए आवश्यक बिंदुओं पर कार्य करने के लिए सुझाव दिए। निरीक्षण को लेकर उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी, रजिस्ट्रेशन काउंटर, लैब, फार्मेसी का निरीक्षण किया और यहां की व्यवस्थाओं को जांचने का काम किए। अस्पताल की नई बिल्डिंग में हाल ही में शिफ्ट हुए महिला वार्ड को गहनता से देखा। यहां बनाए गए दवा कक्ष में रखे फ्रिज में दवाइयों को देखा। वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी सुनीता दूहन ने टीम को अस्पताल का निरीक्षण करवाया। बाकायदा मरीजों से भी अस्पताल की व्यस्थाओं के बारे में सवाल किए गए। एनक्वास टीम ने निरीक्षण के दौरान स्टाफ को निर्देश दिए गए कि वो मरीजों के प्रति अपना व्यवहार शालीन बना कर रखें। जो मरीज चल नही सकते, उनको व्हीलचेयर व स्ट्रेचर उपलब्ध कराएं। टीम ने मुख्य वार्डों का भी निरीक्षण किया।

एनक्वास टीम के निरीक्षण को लेकर अस्पताल में व्यवस्थाएं रखी चकाचक

टीम के दौरे की पहले ही अस्पताल प्रशासन को सूचना थी। जिसके चलते पहले नागरिक अस्पताल में खामियों को दूर कर व्यवस्था को चाक चौबंद रखा गया। निरीक्षण के दौरान कोई बड़ी खामी नजर न आए, इसका विशेष ध्यान रखा गया। पूरा स्टाफ अलर्ट मोड पर रहा। सभी चिकित्सक व स्टाफ नर्स सहित अन्य कर्मचारी ड्रेस कोड में दिखाई दिए।

एनक्वास टीम के सुझावों पर अमल किया जाएगा : डा. भोला

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि एक्वास टीम ने अस्पताल का निरीक्षण किया है। टीम द्वारा अस्पताल प्रशासन को जो-जो सुझाव दिए गए हैं, उन दिशा-निर्देशों की पालना की जाएगी। अस्पताल 200 बैड का है और सोमवार को कुल 2100 की ओपीडी रही है। बावजूद इसके अस्पताल में आने वाले मरीज को स्वास्थ्य विभाग की हर सुविधा उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाता है।

जुलाना। अस्पताल में पहुंचे परिजन विलाप करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जुलाना में गर्भवती महिला और बच्चे की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुलाना

दर्दनाक
- परिजनों का आरोप- इंजेक्शन लगाने के बाद बिगड़ी तबीयत, डिलीवरी के लिए लाई गई
- परिजनों ने अस्पताल के चिकित्सों पर लापरवाही के आरोप लगाए

जुलाना कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डिलिवरी के लिए आई महिला और उसके होने वाले बच्चे की सोमवार को मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल के चिकित्सों पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। वहीं स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि उपचार को लेकर किसी तरह की कोई कोताहि नही बरती गई है।

गांव लजवाना कलां निवासी संदीप ने बताया कि उसके छोटे भाई की पत्नी 30 वर्षीय स्वीटी को तीसरा बच्चा होना था। प्रसव पीड़ा के दौरान उसे सोमवार को जुलाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने बताया कि उसका ब्लड प्रैशर अधिक है। आधे घंटे बाद डॉक्टरों ने उसे इंजेक्शन दिया और आधे घंटे तक इंतजार करने के लिए कहा। कुछ देर बाद स्वीटी ने कहा कि उसके सिर में ज्यादा दर्द हो रहा है। परिजन डॉक्टर के पास गए लेकिन डॉक्टर नही आए और स्वीटी के मुहं में झाग आ गए और उसकी मौत हो गई। साथ में उसके गर्भ में बच्चे की भी मौत हो गई। स्वीटी की मौत के बाद दो बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। स्वीटी को पहले एक सात साल की लड़की और एक तीन साल का लड़का है।

आरोप निराधार

जुलाना के स्वास्थ्य अधिकारी एसएमओ डा. संजीव शर्मा ने बताया कि दस दिन महिला को पीजीआई रोहतक में दांत के इलाज के लिए लेकर गए थे लेकिन बीपी की ज्यादा दिक्कत होने से उन्होंने दवाई दे दी थी। सोमवार सुबह महिला अस्पताल में आई थी, तब भी बीपी की वजह से समस्या हो गई थी। इलाज के दौरान दौरा आ गया। उपचार के दौरान ज्यादा समय नही लगा है। जो आरोप लगाए जा रहे हैं वो निराधार हैं।

छत से गिरने से युवक की मौत

गुहला-चीका। चीका में एक युवक की छत से गिरने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव मेगड़ा निवासी विजय सिंह तीसरी मंजिल से गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तुरंत इलाज के लिए राजेंद्र अस्पताल, पटियाला लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के छोटे भाई दलबीर सिंह, जो गांव भागल में एक लैबोरेट्री में कार्यरत हैं, ने बताया कि विजय सिंह प्लंबर का काम करता था। रविवार को वह किसी काम से चीका गया हुआ था। इसी दौरान यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। डॉक्टरों द्वारा घटना की जानकारी चीका थाना पुलिस को दे दी गई है। इस मामले के संबंध में डॉक्टर अरोड़ा से बात की गई तो डॉ ने जानकारी देते हुए कहा के मेरी दुकान की छत पर दोनों मेरी दुकान पर काम करने बाला लड़का व दूसरा लड़का रिपेयर का काम कर रहे थे। डॉ अरोड़ा ने बताया कि मैं ब्यास गया हुआ था। परंतु अभी हादसे का कारण मुझे नहीं पता चला है। इतनी जानकारी प्राप्त हुई है। कि छत से गिरा है। जानकारी अनुसार मृत्यु हो गई है। पुलिस जांच अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि परिजनों को बुलाया गया है और उनसे बातचीत के बाद जो भी कार्रवाई उचित होगी, वह की जाएगी। गांव में इस हादसे से शोक की लहर है। विजय सिंह की आकस्मिक मृत्यु से परिवार और पूरे गांव में मातम छा गया है।

इमरजेंसी वार्ड में दो घंटे बत्ती गुल

जींद। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में दोपहर बाद साढ़े तीन बजे से साढ़े पांच बजे बिजली गुल रही। इस दौरान ओपीडी तो बंद हो गई थी लेकिन एमरजेंसी वार्ड में मरीजों का इलाज मोबाइल की टार्च की रोशनी में करना पड़ा। यहां लगा जनरेटर भी खराब रहने से ज्यादा परेशानी हुई। कार्यकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी ने जनरेटर ठीक करने के लिए बायोमेडिकल इंजीनियर वरुण को फोन किया लेकिन वह फोन नहीं उठा रहा। ऐसे में दो घंटे तक अस्पताल में अंधेरा रहा। इस दौरान अस्पताल में आई जांच टीम भी प्रधान चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में अंधेरे में बैठी रही। नागरिक अस्पताल में ओपीडी सुबह नौ बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक चलती है। साढ़े तीन बजे अचानक नागरिक अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग की बिजली गुल हो गई। पुरानी बिल्डिंग में ही प्रधान चिकित्सा अधिकारी का कार्यालय तथा इमरजेंसी वार्ड है। ऐसे में यहां अंधेरा छा गया। इमरजेंसी वार्ड में आए मरीजों का इलाज चिकित्सकों को मोबाइल फोन की लाइट में ही करना पड़ा। हालांकि इस दौरान कोई गंभीर मरीज नहीं आयाए लेकिन इतनी देर तक अंधेरा रहना, मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ से कम नहीं है। वैसे तो यहां आटोमेटिक जनरेटर लगा हुआ है वह भी समय पर सर्विस नहीं होने के कारण खराब पड़ा है। जब यहां कार्यरत बायोमेडिकल इंजीनियर वरुण को फोन किया तो उसने फोन नहीं उठाया। साढ़े पांच बजे बिजली आ गई।

पुल की टूटी रेलिंग बन रही हादसों का कारण

सीवन। कैथल–पटियाला मुख्य मार्ग की हालत दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। सड़क जगह-जगह से टूटी हुई है और विभाग केवल हल्के-फुल्के पेचवर्क से काम चलाने में जुटा है। कुछ ही दिनों में यह मरम्मत भी बेअसर हो जाती है, जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। अब जबकि धुंध का मौसम नजदीक है, दृश्यता कम होने के कारण इस खस्ताहाल सड़क पर दुर्घटनाओं का खतरा और अधिक बढ़ गया है। इस मार्ग पर स्थित सरस्वती ड्रेन का पुल भी जर्जर स्थिति में है। पुल की रेलिंग पूरी तरह से टूटी हुई है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। क्षेत्र निवासी पटवारी दिलबाग सिंह पोलड, गज्जन सिंह गोविंदपुरा, डॉ मेजर सिंह खरका, संगीत बंसल, पहाड़पुर सरपंच हरपिंदर सिंह, जगरूप सिंह, कांगथली सरपंच कृष्ण बाजीगर सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि टूटी रेलिंग और सड़क की खराब हालत के कारण लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि धुंध के मौसम में सड़क पर दृश्यता बेहद कम हो जाती है, ऐसे में टूटी रेलिंग गंभीर खतरा बन सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार सरस्वती नदी के किनारे पोलड गांव में रिवर फ्रंट विकसित कर रही है ताकि इसे पर्यटन स्थल के रूप में उभारा जा सके, लेकिन इसी नदी पर बने पुल की हालत पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पुल की रेलिंग की तुरंत मरम्मत करवाई जाए, पुल की स्थिति की जांच की जाए और सड़क के सुधार कार्य को जल्द शुरू किया जाए ताकि धुंध भरे मौसम में संभावित हादसों से बचा जा सके।

ऑनलाइन टास्क देकर लगाया चूना

जींद। साइबर ठगों ने ऑनलाइन टास्क देकर एक व्यक्ति को दस लाख 87 हजार 274 रुपये का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अर्बन एस्टेट निवासी गौरव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 22 अक्टूबर को उसके व्हाट्सअप पर लिंक आया। जिसके खोलने पर वह टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ गया। जिसमें ऑनलाइन टास्क पूरा करने पर अच्छा मुनाफा दिखाया गया था। ग्रुप ज्वायन करने के साथ उसका आईडी बना दी गई। जिसके बाद उसने कुछ रुपये निवेश किए तो वह राशि वायलेट में मुनाफे के साथ दिखाई गई। जिसके बाद उसने और राशि को निवेश किया। मुनाफा भी अधिक दिखाया गया। जब उसने राशि की निकालने की कोशिश की तो उसका स्कोर कम होने की बात कह कर और राशि निवेश के लिए कहा गया। गत 24 अक्टूबर तक वह दस लाख 87 हजार 274 रुपये लगा चुका था। कोशिश के बाद भी उसकी राशि नही निकली। जबकि उस पर और राशि जमा करवाने के लिए दबाव बनाया जाने लगा। जिस पर उसे ठगी का अहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने गौरव की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर 4.73 लाख हड़पने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

- पुलिस ने भाई बहन के खिलाफ दर्ज किया धोखाधड़ी की मामला
- नौकरी न मिलने पर राशि वापस मांगी तो धमकी देने का आरोप

सरकारी नौकरी लगवाने के झांसा देकर चार लाख 73 हजार रुपये हडपने पर उचाना थाना पुलिस ने युवती समेत दो लोगो के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओ के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव झील निवासी गीता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वर्ष 2022 मे उसका संपर्क उचाना मे कोचिंग सेटर चलाने वाली गांव अलीपूरा निवासी रितू से हुआ। रितू ने उसे बताया कि उसके भाई अमित की अच्छी जान पहचान है। वह सरकारी नौकरी लगवाता है। रितू की बातों में आकर उसने सरकारी नौकरी लगवाने की बात कही। सब कुछ तय होने के बाद 24 जुलाई 2023 को रितू तथा उसके भाई अमित को चार लाख 73 हजार रुपये दे दिए गए। बावजूद इसके उसकी सरकारी नौकरी नही लगी। जब उसने रुपये वापस मांगे तो आरोपितों ने कुछ समय बाद लौटाने का आश्वासन दिया। लंबा समय बीत जाने के बाद भी रुपये वापस न देने पर उसने दबाव बनाया तो आरोपितो ने रूपए लौटाने से मना कर दिया और बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। उचाना थाना पुलिस ने गीता की शिकायत पर रितू तथा उसके भाई अमित के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

जींद से सोनीपत का किराया बढ़ा, अब 85 की जगह देने होंगे 90 रुपये

गोहाना से आगे मोहाना के पास टोल प्लाजा प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद से सोनीपत जाने वाली बसों के किराये में पांच रुपये का इजाफा हुआ है। गोहाना से आगे मोहाना के पास टोल प्लाजा शुरू होने के चलते यह कदम उठाया गया है। पहले जींद से सोनीपत का किराया 85 रुपये था। जिसे अब बढा कर 90 रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा जींद से वाया सोनीपत होकर दिल्ली जाने वाले यात्रियों को भी अब 130 की जगह 135 रुपये किराया देना होगा। जींद से वाया सोनीपत होकर दिल्ली के लिए एक बस चलती है। हालांकि जींद से गोहाना के बीच का किराया पहले की तरह रहेगा। गोहाना से आगे चल कर टोल शुरू हुआ है तो ऐसे में जींद से सोनीपत जाने वाले यात्रियों को पहले की अपेक्षा पांच रुपये किराया देना होगा। अब गोहाना से सोनीपत जाने वाले यात्रियों को 45 रुपये का टिकट लेना पड़ेगा। पहले इस रूट पर जाने के लिए 40 रुपये देने पड़ते थे। इसके साथ-साथ ही जो यात्री वाया सोनीपत होकर दिल्ली जाएंगे उन्हें भी दिल्ली जाने के लिए पांच रुपये अतिरिक्त किराया देना होगा। पहले जींद से वाया सोनीपत होकर दिल्ली जाने के लिए यात्रियों को 130 रुपये किराया देना पड़ता था लेकिन अब 130 की जगह 135 रुपये किराया देना होगा।

जींद। जींद डिपो पर बूथ पर लगी बसें। *फोटो :हरिभूमि*

वाया सोनीपत दिल्ली जाने पर देना पड़ता है कम किराया

जींद से वाया सोनीपत के लिए बस सुबह आठ बजकर 40 मिनट पर चलती है। वाया सोनीपत होकर दिल्ली जाने पर यात्रियों को वाया रोहतक की अपेक्षा कम किराया देना पड़ता है और समय भी कम लगता है। जींद से वाया रोहतक होते हुए दिल्ली जाने में लगभग चार घंटे लगते हैं और किराया 160 रुपये लगता है। जबकि वाया गोहाना सोनीपत होते हुए बस को दिल्ली जाने में लगभग साढ़े तीन घंटे लगते हैं और किराया भी 135 रुपये है। यात्रियों को वाया गोहाना.सोनीपत होते हुए दिल्ली जाने में समय और किराये दोनों में बचत होती है।

पहले चलती थी दो बस

पहले जींद से सोनीपत रूट पर दो बस चलती थी। अब एक बस को बंद कर दिया गया है। पहले सुबह छह बजकर 40 मिनट और दूसरी बस सुबह आठ बज कर 40 मिनट पर जींद से दिल्ली के लिए चलती थी। अब सुबह छह बजकर 40 मिनट पर चलने वाली बस बंद हो गई है। अब केवल जींद से वाया सोनीपत होकर दिल्ली के लिए केवल एक बस सुबह आठ बजकर 40 मिनट पर चलती है।

जींद से सोनीपत के लिए बढ़ा पांच रुपये किराया

महाप्रबंधक राहुल जैन ने बताया कि गोहाना से आगे टोल प्लाजा शुरू हो गया है। इस कारण गोहाना से आगे सोनीपत जाते समय पांच रुपये किराया बढ़ा है। ऐसे में जींद से सोनीपत जाने पर पहली की अपेक्षा यात्रियों को पांच रुपये अतिरिक्त किराया देना होगा।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
28 अक्टूबर 2025
सहेली

रिश्ते में पहचानें यलो फ्लैग्स बॉन्डिंग बनाएं बेहतर

आजकल रिश्तों को लंबे समय तक बनाए रखना आसान नहीं है। यह बात मैरीड लाइफ में और ज्यादा मायने रखती है। रिश्ते बेहतर रहें, इसके लिए दोनों तरफ से एफर्ट करना जरूरी है। दोनों में कोई एक भी रिश्ते को लेकर लापरवाह है, तो समस्याएं जन्म लेंगी, मतभेद होंगे, हम तनाव से घिरेंगे। इस तरह की बातें या प्रॉब्लम्स 'यलो फ्लैग्स' कहलाती हैं। इस तरह की सिचुएशन न आए, रिश्ते खुशगवार रहें, एक्सपर्ट की जरूरी सलाह।

कवर स्टोरी
गीता सिंह

इस नए दौर में रिश्ते तो बहुत आसानी से कायम हो जाते हैं, लेकिन उनको लंबे समय तक प्रेमपूर्वक बनाए रखना बहुत मुश्किल हो जाता है। रिश्ते में दो लोगों का आपस में बंधे रहना ही काफी नहीं होता है, दोनों किस तरह से अपने रिश्ते में बने हुए हैं, यह बात भी बहुत मायने रखती है। यदि हम किसी के साथ दोस्ती या प्रेम के रिश्ते में हैं, विशेष रूप से पति-पत्नी हैं तो हमें समय-समय पर रिश्ते में दिखने वाले 'यलो फ्लैग्स' यानी बनती दूरियां, मतभेद और खत्म होती बॉन्डिंग को समझना चाहिए, समझना ही नहीं चाहिए, समय रहते इसे संभालना भी चाहिए, संबंधों में आए मनमुटाव को खत्म करना चाहिए। रिश्ते में हम अकसर रेड फ्लैग्स की बात करते हैं, लेकिन यलो फ्लैग्स भी इंपॉर्टेंट हैं, ये सावधान करते हैं, उन समस्याओं या चिंताओं की ओर इशारा करते हैं, जिस पर ध्यान देने की जरूरत होती है, ताकि रिश्ते को सही दिशा में ले जाया जा सके। यहां कुछ 'यलो फ्लैग्स' दिए जा रहे हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। आइए जानते हैं, ऐसे ही कुछ यलो फ्लैग्स और इन्हें दूर करने के उपायों के बारे में ।

रिश्ते में बैलेंस न होना

किसी भी रिश्ते में दोनों पक्षों का योगदान समान होना चाहिए। यदि आप महसूस करती हैं कि आपके रिश्ते में एक पक्ष अधिक प्रयास कर रहा, दूसरा पक्ष कम, तो यह रिश्ते में बैलेंस न होने के संकेत हैं। यह एक यलो फ्लैग है, जो दिखाता है कि केवल एक ही पक्ष रिश्ते को लेकर गंभीर है, दूसरा पक्ष रिश्ते को गंभीरता से नहीं ले रहा है।

अपमानजनक व्यवहार

एक प्रेम भरे सफल रिश्ते के लिए जरूरी है, दोनों साथी एक-दूसरे का सम्मान करें। यदि आप एक ऐसे रिश्ते में हैं, जहां आपका साथी लगातार आपसे अपमानजनक व्यवहार करता है, जैसे कि वह आपको नीचा दिखाता है या आपकी भावनाओं की अनदेखी करता है, तो निश्चित ही ये आपके रिश्ते में एक यलो फ्लैग है।

संवाद में कमी व समय न देना

संवाद किसी भी स्वस्थ रिश्ते की नींव होता है। यदि आपका साथी, आपके साथ खुलकर बात नहीं करता या आपकी बातें अनसुनी कर देता है। साथ ही आपका साथी लगातार व्यस्त रहता है, आपको समय नहीं दे पाता, यह इस बात का संकेत है कि आप उसकी प्राथमिकता सूची में नीचे हैं। इस तरह की बातें आपके रिश्ते के लिए यलो फ्लैग्स हैं। भविष्य में बड़ी समस्याओं का संकेत हैं।

अकेले योजनाएं बनाना और निर्णय लेना

रिश्ता एक साझा जिम्मेदारी है, जिसका ध्यान दोनों साथियों को रखना होता है। किसी भी साथी को अकेले प्लानिंग या फैसले नहीं लेने चाहिए, खासकर अगर इसमें आप दोनों की भलाई और जिंदगी शामिल हो। ऐसे मसलों पर आपके साथी को आपसे सलाह-मशविरा करना चाहिए। यदि वह ऐसा नहीं करता है तो निश्चित ही आपके रिश्ते के लिए एक बड़ा वाला यलो फ्लैग है।

विश्वास की कमी

रिश्ते में विश्वास एक महत्वपूर्ण तत्व है। अगर आपका साथी छोटी-छोटी बातों पर भी आप पर शक करता है या आप उस पर पूरी तरह से भरोसा नहीं कर पाती हैं या फिर आपकी गतिविधियों पर जरूरत से ज्यादा नजर रखता है, आपकी पसंद पर हुक्म चलाता है। आपको दोस्तों और परिवार से अलग-थलग करने का प्रयास करता है, तो यह एक यलो फ्लैग है। इसके चलते रिश्ते में स्ट्रेस और अन्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। अपनी स्वतंत्रता बनाए रखना और नियंत्रण संबंधी समस्याओं का समाधान करना एक स्वस्थ रिश्ते के लिए बेहद जरूरी होता है।

भावनात्मक अनुपलब्धता

रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव और सहयोग बेहद जरूरी है। अगर आपका साथी लगातार भावनात्मक अंतरंगता से बचता है, अलग-थलग सा लगता है, या भावनात्मक सहयोग देने में नाकाम रहता है, तो आपके रिश्ते में यह एक यलो फ्लैग यानी खतरे की घंटी है।

छोटी-छोटी बातों पर बहस करना: यदि आप और आपका साथी अकसर छोटी-छोटी बातों पर बहस करते हैं, अपनी ही बातों को सही ठहराने के लिए गुस्सा करते हैं या बात करना बंद कर देते हैं। यह एक यलो फ्लैग है, जो बताता है कि भविष्य में बड़े मुद्दों पर भी बहस हो सकती है।

रिश्ते में यलो फ्लैग्स से कैसे डील करें

जब आप रिश्तों के बीच यलो फ्लैग्स के संकेतों को पहचान जाएं तो इन यलो फ्लैग्स पर ध्यान देकर और उन पर खुलकर बातचीत करके, अपने रिश्ते को मजबूत और स्वस्थ बनाएं। रिश्ते को पहले से कहीं अधिक बेहतर बनाएं और भविष्य में आने वाली समस्याओं से बचें। इसके साथ ही कुछ और बातों को अमल में लाकर आप रिश्ते के इन यलो फ्लैग्स को ग्रीन फ्लैग में बदल सकते हैं।

- सबसे पहले अपने साथी के साथ उन मुद्दों पर खुलकर बात करें, जो समस्या का कारण हैं। साथ ही ध्यान दें कि क्या आप दोनों मिलकर अपनी समस्याओं को हल करने में कामयाब हैं।
- यदि आप खुद से इन मुद्दों को हल नहीं कर पा रहे हैं, तो किसी रिलेशनशिप काउंसलर या थेरेपिस्ट से मदद लेने पर विचार करें।
- यदि फिर भी यलो फ्लैग बने रहते हैं और आपको लगता है कि वे रिश्ते को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं, तो आपको यह निर्णय लेना होगा कि क्या आप इस रिश्ते को जारी रखना चाहते हैं या नहीं।

याद रखें, हर रिश्ता खास होता है। सभी का किसी भी परेशानी से निपटने का तरीका भी अलग-अलग होता है। अपने विवेक पर भरोसा रखें, अपने अंतर्मन की सुनें, अपने को प्राथमिकता दें, और जरूरत पड़ने पर कड़ा फैसले लेने को भी तैयार रहें।

(रिलेशनशिप काउंसलर सलोनी चौधरी से बातचीत पर आधारित)

त्योहारों के बाद उदासी क्यों इससे कैसे उबरें

त्योहारों के हर्षोल्लास और व्यस्तता के बाद जब सब कुछ संपन्न हो जाता है, तो कुछ महिलाओं के मन में उदासी और सुस्ती का भाव देखा जाता है। इसे पोस्ट फेस्टिवल ब्लूज कहते हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है और इससे कैसे उबरें, जानें।

सलाह
शिखर चंद जैन

जब त्योहार आते हैं, हम उत्साह-उमंग से भर उठते हैं। त्योहार के आगमन से काफी समय पहले से ही हमारा सारा ध्यान उसकी तैयारी में लग जाता है। हम बहुत खुशी के साथ शॉपिंग करते हैं, अपने लिए नई ड्रेसेस लाते या बनवाते हैं। घर की साफ-सफाई, साज-सज्जा करते हैं। मिठाइयां-पकवान बनाते हैं। रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलते-जुलते हैं। लेकिन त्योहार के बाद हमारी दिनचर्या में एक रिक्तता आ जाती है। मन उदासी से घिर उठता है। यह एक प्रकार का इमोशनल बर्नआउट है।

उदासी के कारण

कुछ महिलाएं त्योहारों के अवसर पर बंदनवार, आसन, रेडीमेड रंगोली, कंदील, सजावटी दीये, गिफ्ट रैपिंग, गिफ्ट हैंपर बनाने, पूजन सामग्री बेचने, ड्रेस डिजाइनिंग, ब्यूटी पार्लर के कामों से पैसे अर्न करती हैं। त्योहार बाद उनके मन में एक डर आता है कि अब कमाई का जरिया कमजोर पड़ जाएगा। जो पुरुष कारोबारी हैं, त्योहारों से संबंधित सामान बेचते हैं, उन्हें भी चिंता सताती है कि अब कारोबार मंदा हो जाएगा। इस चिंता का असर घर की महिलाओं पर भी पड़ता है।

हैप्पी-हार्मोन का स्तर घटना

त्योहार के बाद मन में उदासी का बड़ा कारण यह भी होता है कि लोगों को लगता है कि अब उमंग-उत्साह का माहौल समाप्त हो गयौ। इस तरह त्योहारों के दौरान महसूस होने वाला हर्षोल्लास और 'हैप्पी-हार्मोन' जैसे डोपामाइन और सेरोटोनिन का स्तर अचानक कम हो जाता है, इस कारण निराशा महसूस होती है।

उदासी के लक्षण

किसी त्योहार के बाद उदासी के लक्षण हमें इस रूप में दिखाई देते हैं, जैसे भावनात्मक और शारीरिक थकान, उत्साह के लुप्त हो जाने पर खालीपन की भावना और उदासी। दिनचर्या में वापस लौटने की चिंता, भीतर की एनर्जी में गिरावट के कारण निराशा या बेचैनी, नींद न आना या अधिक नींद आना।

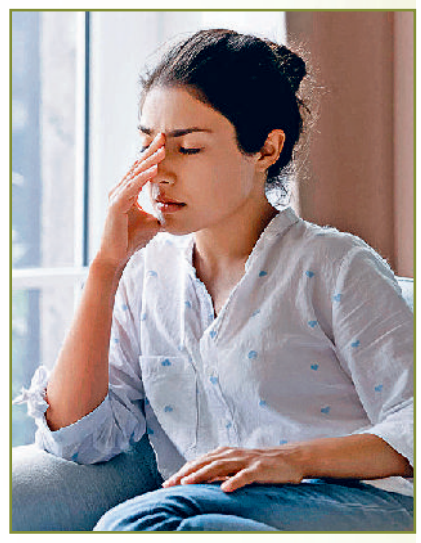

उदासी दूर करने के लिए क्या करें

उदासी दूर करने के लिए यहां बताए जा रहे कुछ साधारण लेकिन प्रभावी उपाय अपनाएं।

ध्यान और जागरुकता: माइंडफुलनेस मेडिटेशन करें। ऐसे अभ्यास आपको वर्तमान में बने रहने और अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने में सहायक रहेंगे। अपने मन को शांत रखने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

जीवनशैली में परिवर्तन: त्योहारों के बाद अपनी जीवनशैली को स्पीड मोड से बदल कर स्लो मोड में लाएं। पुरानी दिनचर्या, नियमित शारीरिक गतिविधि, संतुलित आहार और उचित नींद आपके मूड और आंतरिक ऊर्जा के स्तर को दुरुस्त करेंगे।

सामाजिक समर्थन: त्योहार बाद मित्रों और परिवार के साथ समय बिताएं। अपने पसंदीदा रिश्तेदारों, परिवार के सदस्यों या दोस्तों के साथ गपशप करें। इन सब बातों से आपकी आंतरिक ऊर्जा रिचार्ज होगी।

भावनाओं को लिखें, रुके कामों पर ध्यान दें: अपने विचारों और भावनाओं को लिखें। इससे दबी हुई भावनाओं को बाहर निकालने और तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है। त्योहारों के दौरान जो काम बाकी रह गए थे, उन्हें पूरा करने में अपना ध्यान लगाएं।

स्किन केयर
नीलोफर

अगर आप पार्टी से घर लौटकर प्रॉपर स्किन केयर नहीं करती हैं, तो आपकी स्किन डैमेज हो सकती है। इसलिए मेकअप रिमूवल जरूरी है। हम आपको यहां कुछ ईजी टिप्स बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप स्किन को डैमेज होने से बचा सकती हैं।

पार्टी से लौटने के बाद फॉलो करें प्रॉपर स्किन केयर रूटीन

चाहे दोस्तों के साथ पार्टी करनी है, किसी फ्रेंड की बर्थ-डे पार्टी में जाना है, किसी की रिसेप्शन पार्टी अटेंड करनी है या शादी में जाना है, हम दूसरों से अलग दिखना चाहते हैं। इसके लिए हम कई दिन पहले से प्लानिंग शुरू कर देते हैं। हमें क्या पहनना है, आउटफिट के साथ मैच करती ज्वेलरी, फुटवियर और कैरी किए जाने वाला पर्स सब पहले से सेट कर लेते हैं। मेकअप कैसा हो हैवी या लाइट, यह भी हम पहले ही सोच लेते हैं। लेकिन पार्टी अटेंड करने के बाद इन मेकअप प्रोडक्ट्स का हमारी त्वचा पर क्या असर होता है और घर आने के बाद हमें अपने स्किन की सही देखभाल के लिए कौन से जरूरी स्टेप फॉलो करने चाहिए, यह जानना भी बहुत ज्यादा जरूरी है।

मेकअप रिमूवल है जरूरी

पार्टी से लौटकर आने के बाद आप भले ही कितनी थक जाएं, लेकिन अपने मेकअप को रिमूव करना न भूलें। कई बार पार्टी में डांस के बाद पैर थक जाते हैं और आप सोचती हैं कि मेकअप सुबह रिमूव कर लेंगी तो इससे आपके स्किन के पोर्स में गंदगी फंसी रह जाती है। इसलिए मेकअप रिमूवल सोने से पहले जरूरी है।

चेहरे को करें क्लीन

सबसे पहले मेकअप को चेहरे से हटाएं और चेहरे को क्लीन करें ताकि बची हुई गंदगी और मेकअप हट जाए। इसके लिए फेसवॉश का इस्तेमाल करें, फेसवॉश ऐसा हो, जो त्वचा की नमी को बरकरार रखे।

स्किन रहेगी हाईड्रेट

मेकअप को रिमूव करने के बाद और चेहरे की क्लींजिंग के पहले स्किन को हाईड्रेट करना जरूरी है, इसके लिए नाइट क्रीम का इस्तेमाल करें। नाइट क्रीम ऐसी होनी चाहिए, जिसमें नेचुरल स्किन कंडीशिनिंग एजेंट्स, नेचुरल ऑयल और विटामिन हो जो स्किन की रात भर नमी दे।

आंखों की न करें अनदेखी

लेट नाइट पार्टीज में आंखों के नीचे की स्किन को अधिक देखभाल की जरूरत होती है, क्योंकि देर रात तक जगने के कारण डार्क सर्कल्स और पफी आइज होना कॉमन है। इसके लिए अंडर आई स्किन को नरिश करने के लिए अपने साथ हमेशा आईक्रीम रखें, जिससे आंखों के नीचे के काले घेरों से बचाव हो सके। आंखों और होंठों के मेकअप को रिमूव करने के लिए एक नर्म मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करें, क्योंकि आंखों और होंठों की त्वचा बेहद नर्म होती है। इन्हें साफ करने के बाद कॉटन पैड पर क्लीनिंग ऑयल लेकर पूरे चेहरे पर धीरे-धीरे रगड़ें।

टोनर का करें यूज

जिस दौरान चेहरे से मेकअप को रिमूव किया जाता है, उस समय चेहरे की त्वचा के पोषक तत्व कम हो जाते हैं। चेहरे की त्वचा के पीएच स्तर को संतुलित करने और त्वचा के रोमछिद्रों को साफ करने के लिए टोनर का जरूर इस्तेमाल करें।

मॉयश्चराइजर लगाएं

पूरे चेहरे का मेकअप हटाने और चेहरे की पूरी सफाई करने के बाद अपनी त्वचा को हाइड्रेट करने के लिए एक अच्छा मॉयश्चराइजर लगाएं ताकि यह आपकी त्वचा को ड्राय न होने दे, उसकी नमी को हमेशा बरकरार रखे।

मेडिकल सजेशन
डॉ. रवींद्र गुप्ता
सीनियर फिजिशियन
सी.के. बिड़ला हॉस्पिटल, गुरुग्राम

बदलते मौसम में जरा सी लापरवाही आपको बीमार कर सकती है। इससे बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। कुछ ऐसे ही यूजफुल सजेशंस।

बदलते मौसम में ऐसे करें हेल्थ केयर

बदलते मौसम में स्वस्थ रहने के लिए सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि इस मौसम में आपको कौन-सी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं और उनसे कैसे बचाव कर सकते हैं?

श्वसन तंत्र संबंधी समस्याएं: बदलते मौसम में ठंडी हवाओं के कारण सर्दी, खांसी, फ्लू और इंफ्लूएंजा का रिस्क बढ़ जाता है। धूल कणों और प्रदूषण की वजह से एलर्जी और अस्थमा के भी लक्षण नजर आने लगते हैं। इसके साथ ही आंखों और नाक से पानी गिरना, गले में खराश और सांस लेने में तकलीफ जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं।

मच्छरों से होने वाली बीमारियां: बरसात के बाद जमा होने वाले पानी में मच्छर पनपने लगते हैं, जिससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियां फैलने लगती हैं। जिनमें तेज बुखार, जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

दूषित जल से होने वाली समस्याएं: बरसात खत्म होने के बाद पेयजल के प्रदूषित होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर पीने का पानी स्वच्छ न हो तो इससे गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसी समस्या हो सकती है। इससे पेटदर्द, उल्टी और दस्त आदि समस्याएं हो सकती हैं।

जोड़ों में दर्द: ठंड की वजह से कुछ महिलाओं को जोड़ों में दर्द होने लगता है। खासतौर पर 50 साल से अधिक उम्र वाली महिलाओं को हार्मोन संबंधी असंतुलन के कारण यह समस्या ज्यादा परेशान करने लगती है।

फंगल इंफेक्शन-स्किन ड्रायनेस: महिलाओं को फंगल इंफेक्शन और स्किन में ड्रायनेस जैसी समस्याएं भी इस मौसम में परेशान करती हैं।

मेंटल प्रॉब्लम्स: कुछ महिलओं को इस बदलते हुए मौसम में मूड स्विंग, सुस्ती और उदासी जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी परेशान करती हैं, जिन्हें सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर कहा जाता है।

कैसे करें बचाव: इन समस्याओं से ऐसे बचें।

- हमेशा उबला हुआ स्वच्छ पानी पिएं।
- उपयोग से पहले फलों और सब्जियों को अच्छी तरह से धो लें।
- अपने घर के आस-पास पानी जमा न होने दें, इससे मच्छरों के पनपने की आशंका बढ़ जाती है। बेहतर यही होगा कि सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।

- रूखेपन की समस्या के लिए नियमित रूप से मॉयश्चराइजर और कोल्ड क्रीम का इस्तेमाल करें।
- शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए रोजाना सात-आठ गिलास पानी पिएं, जूस और सूप भी पिएं।

प्रस्तुति: विनीता

एटिकेट
मेघा राठी

कुछ लोग अकसर किसी का परिचय एक कटाक्ष के अंदाज में देते हैं। इससे जिसका परिचय दिया जा रहा है, वह तो एंबेस फील करता ही है, वहां मौजूद लोगों को भी अटपटा लगता है। इसलिए जब भी किसी का परिचय दें, सम्मानजनक ढंग से दें।

परिचय देने का अंदाज हो सम्मानजनक

आकृति ने एक पार्टी में अपने पति से अपनी सहेली शोभा का परिचय कुछ इस अंदाज से कराया, 'इनसे मिलिए, यह हैं शोभा, सोशल मीडिया की क्वीन हैं, छाई रहती हैं पोस्ट और फोटो से।'

शोभा को यह तरह परिचय देना बड़ा अजीब-सा लगा। उसने टोका,'आकृति, तुम मेरा परिचय मेरे प्रोफेशन या मेरी फैमिली से जोड़कर दो। यह किस ढंग से मेरा परिचय दे रही हो?'

'अरे चिल्ड यार, मजाक कर रही हूं।' आकृति समझ गई थी, उससे अंजाने में गलती हो गई है।

फर्स्ट इंप्रेशन है किसी का परिचय: अकसर लोग किसी का परिचय सही ढंग से कराने में चूकते हैं। जबकि किसी व्यक्ति के सामने किसी का परिचय देना, उसके 'फर्स्ट इंप्रेशन' की तरह होता है। पहले परिचय का प्रभाव लंबे समय तक रहता है। जब हम किसी का परिचय करवाते हैं, यह सुनिश्चित करना जरूरी है, वहां मौजूद लोगों के सामने उस व्यक्ति की सकारात्मक छवि पेश हो। अकसर सामाजिक या पेशेवर माहौल में हम दूसरों का परिचय कराते समय मजाक कर जाते हैं, जो सामने वाले को असहज कर सकता है, वह व्यक्ति न केवल अपमानित महसूस करता है, संबंधों में एक दूरी आती है। इसलिए यह जरूर जानें कि एक प्रभावशाली और सम्मानजनक परिचय देते समय किन बातों का ध्यान रखें-

नकारात्मक शब्दों से बचें: परिचय देते समय हमेशा सकारात्मक बातों से परिचय दें। ऐसे शब्दों से बचें, जो किसी भी प्रकार की आलोचना या नकारात्मकता को दर्शाते हों। कभी-कभी मजाक में भी नकारात्मक बातें बुरी लग जाती हैं, इसलिए हर शब्द का चुनाव सावधानी से करें। इस उदाहरण को देखें-

गलत तरीका: यह सुमन हैं। इनकी खासियत है कि ये सबकी टांग खींचने में माहिर हैं।

सही तरीका: यह सुमन हैं। इनकी हाजिरजवाबी और मजाकिया स्वभाव से हर माहौल खुशनुमा हो जाता है। नकारात्मक टिप्पणियां, चाहे मजाक में ही क्यों न हों, सामने वाले के आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचा सकती हैं।

अतिशयोक्ति से बचें: कुछ लोगों की आदत होती है कि वे किसी व्यक्ति की तारीफ बढ़ा-चढ़ा कर करते हैं। यह सही नहीं है, क्योंकि इससे वह व्यक्ति जिसका परिचय दिया जा रहा है और वहां मौजूद अन्य लोग दोनों ही असहज हो सकते हैं। किसी की प्रशंसा करना अच्छी बात है, लेकिन अतिशयोक्ति के बिना होनी चाहिए। जैसे-

गलत तरीका: यह दीपा हैं। कंपनी की सबसे मेहनती और सबसे सफल वर्कर हैं।

सही तरीका: यह दीपा हैं। यह हमारी टीम में विश्लेषण का काम करती हैं, अपने डेडिकेशन के लिए जानी जाती हैं।

इस तरह का सटीक और सम्मानजनक परिचय न केवल वहां उपस्थित लोगों को विश्वास दिलाता है, बल्कि परिचित होने वाले व्यक्ति को भी कुछ और बड़ा करने के लिए प्रेरित करता है।

उपलब्धियों और गुणों से कराएं परिचय: व्यक्ति की उपलब्धियों, गुणों और कौशल का सम्मानपूर्वक उल्लेख करें, बिना किसी प्रकार की तुलना या टीका-टिप्पणी किए बताएं- इन्होंने अपने क्षेत्र में अपनी मेहनत से पहचान बनाई है। इस प्रकार का परिचय न केवल व्यक्ति को गर्वित करता है, बल्कि उनकी छवि को भी उभारता है।किसी का परिचय करवाना एक महत्वपूर्ण क्षण होता है। यह परिचय करवाने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व को भी दर्शाता है, उसकी छवि निर्धारित करता है, साथ ही भविष्य में संबंधों की मजबूती को भी प्रभावित करता है।

खबर संक्षेप

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी सम्मानित किए

जींद। गत 13 से 19 अक्टूबर तक चली वियतनाम रोइंग सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों को सम्मानित किया गया। कोच चांद चहल ने बताया कि लक्ष्य राठी ने लाइट वेट डबल इवेंट में गोल्ड व लाइट वेट क्वाड पुल में सिल्वर मेडल जीता। वहीं किरण व सुमन ने वूमेन इवेंट में ब्रांज मेडल जीता।

महाराजा अग्रसेन स्कूल की छात्राएं रही द्वितीय

जींद। गत 26 अक्टूबर को भारत विकास परिषद की जयंती शाखा के द्वारा द्वितीय स्तर की भारत जानो प्रतियोगिता का आयोजन गोपाल विद्या मंदिर में किया गया। प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में महाराजा अग्रसेन कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं कुमारी हरमन व मुस्कान ने द्वितीय स्थान अर्जित कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। विद्यालय प्रधान महावीर गुप्ता ने इस उपलब्धि पर छात्राओं को बधाई दी।

अश्लील फोटो भेज मिलने के लिए दबाव बनाने का आरोप

जींद। सहपाठी महिला को उसकी अशील फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। शहर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक व्यक्ति के खिलाफ अशील हरकत करने करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस केस की जांच कर रही है। शहर थाना नरवाना इलाके की महिला ने पुलिस को शिकायत दी है।

दो दिवसीय श्याम महोत्सव 31 से

जींद। लाडले श्याम के सेवा समिति जींद द्वारा 31 अक्तूबर से दो दिवसीय श्याम महोत्सव का आयोजन धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव में विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी राजकुमार गोयल, आप महिला की प्रदेश अध्यक्ष डा. रजनीश जैन, जिला परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि कुलदीप रंधावा मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे।

मारपीट में एक व्यक्ति घायल, तीन नामजद

कैथल। गांव सांगन में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। पुलिस ने मामले में दंपत्ति सहित तीन व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव सांगन के हुकुमचंद ने सदर पुलिस कैथल को दी शिकायत में बताया कि 22 अक्टूबर को 9:00 बजे गांव सांगन के अभिषेक, उसकी पत्नी सोनिया तथा उदय सिंह ने मिलकर लाठी और गंडासियों से मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया।

दानपात्र से हजारों की नकदी व सामान चुराया

कैथल। खंड सीवन के गांव ककहेड़ी से चोर पीर व मंदिर का दान पत्र तोड़ते हुए उसमें रखे हजारों रुपए की नकदी वह अन्य सामान चुरा कर ले गए। गांव का ककहेडी के अजीत सिंह ने सीवन थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 25 अक्टूबर की रात को चोर मंदिर का दान पत्र तोड़ते हुए उसमें रखे करीब 30000 की धान राशि, दो बैटरी, इन्वर्टर, स्पीकर व अन्य सामान चुरा कर ले गए।

अरुण मार्केट कमेटी के सदस्य नियुक्त किए

राजौंद। हरियाणा सरकार द्वारा मार्केट कमेटी राजौंद के सदस्य के रूप में अरुण कुमार को नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। राजकुमार कश्यप, अक्षत, रमन, सुभाष राजेन्द्र, दीपक, सुनील भारद्वाज ने आभार जताते कहा कि नियुक्ति रियाणा सरकार कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अधिसूचना संख्या के तहत की गई।

एक लाख 75 हजार 355 एमटी धान की हुई खरीद

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत जिले की विभिन्न मंडियों में धान की आवक और खरीद कार्य पूरी तरह से सुचारू रूप से चल रहे हैं। गत दिवस तक जिले की मंडियों में एक लाख 75 हजार 355 मीट्रिक टन धान खरीदी जा चुकी है।

मोतीलाल स्कूल में डा. हरिचंद मिड्ढा स्पोर्ट्स कोम्प्लेक्स का उद्घाटन

नायब सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत: डा. मिड्ढा

आज प्रतिस्पर्धा का युग: डा. कृष्ण मिड्ढा

खेल व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का सबसे प्रभावी माध्यम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। स्पोर्टस काम्पलेक्स का उद्घाटन करते हुए। फोटो :हरिभूमि

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में डा. हरिचंद मिढ़ा स्पोर्ट्स कोम्प्लेक्स जिसके अंतर्गत सिंथेटिक बैडमिंटन कोर्ट सेमी ओलंपिक साइज तथा 15 लेन अंतरराष्ट्रीय स्तर के शूटिंग रेंज, सिंथेटिक बास्केटबॉल, स्विमिंग पूल एटेबल टेनिस और कबड्डी हाल ये सुविधाएं रहेंगी। यह उद्घाटन समारोह शिक्षा और खेल के संगम का प्रतीक बना। जिसमें नगर के गणमान्य व्यक्ति, विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जींद के विधायक एवं हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा एवं प्रतिनिधि डा. राजन चिल्लाना रहे। उन्होंने विधिवत फीता काटकर और दीप प्रज्जवलित कर खेल परिसरों का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय धवन वाइस प्रेसिडेंट बीजेपी, कलीराम पटवारी, एडवोकेट सुनील, विजय गोरियान, रेनू मंगला, सीमा मलिक, सीए प्रिंस, नरेश कुमार, राजकुमार भोला, सतीश जागरण, मनीराम, राजकुमार शर्मा, रंगकर्मी रमेश भनवाला, डा. मनजीत धीमान, डा. राजेश भोला उपस्थित रहे। विद्यालय के अध्यक्ष संदीप दहिया, प्राचार्य रविंद्र कुमार, प्रबंधन समिति के सदस्य तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। मुख्य अतिथि डा. कृष्ण मिड्ढा ने अपने संबोधन में कहा कि आज मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय ने शिक्षा के साथ खेलों में भी एक नई पहचान बनाई है। यह सिंथेटिक बैडमिंटन कोर्ट और अंतरराष्ट्रीय स्तर का शूटिंग रेंज, सिंथेटिक बास्केटबॉल, स्विमिंग पूल, टेबल टेनिस, कबड्डी हाल केवल विद्यालय के छात्रों के लिए ही नही बल्कि पूरे जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत साबित होंगे। आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है और खेल व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। मैं विद्यालय परिवार को इस उत्कृष्ट पहल के लिए हार्दिक बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि यहां से निकलने वाले खिलाड़ी आने वाले समय में राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है और जींद जैसे जिलों में ऐसे अत्याधुनिक खेल केंद्रों की स्थापना से ग्रामीण प्रतिभाओं को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

छात्रों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। जिनमें नृत्य, देशभक्ति गीत एवं खेल भावना पर आधारित लघु नाटिका विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसके बाद अतिथियों को खेल परिसर का भ्रमण कराया गया। जहां उन्होंने शूटिंग रेंज की आधुनिक सुविधाओं, सुरक्षा मानकों और प्रशिक्षकों की व्यवस्था की सराहना की। सिंथेटिक बैडमिंटन कोर्ट में अत्याधुनिक टर्फ लगाया गया है जो सेमी ओलंपिक साइज का है तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। वहीं 15 लेन शूटिंग रेंज में इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग सिस्टम, साउंड प्रूफ वातावरण, स्विमिंग पूल, सिंथेटिक बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, कबड्डी हाल और प्रशिक्षित कोचों की व्यवस्था की गई।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार होंगे

इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष संदीप दहिया ने कहा विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित रहा है। हमारा उद्देश्य केवल पुस्तक ज्ञान तक सीमित नही बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वासए अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करना भी है। इस नए खेल परिसर के माध्यम से हम बच्चों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र कुमार ने कहा कि यह हमारे विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। आज जब खेल और फिटनेस शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं देना समय की मांग है। हमारे विद्यार्थी अब केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहेंगे बल्कि मैदान और शूटिंग रेंज में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यहाँ से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार होंगे।

नए दृष्टिकोण के लिए रचनात्मक सोच जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

विवेकानंद विद्या निकेतन में हैप्पीनेस लैब के अंतर्गत दिमाग की उड़ान छोटे कदम, बड़े विचार/" विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। सोचने और समझने की कला को विकसित करने के लिए प्रेरित करते मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान ने बताया कि पढ़ाई लिखाई के साथ जीवन कौशल कैसे सीखे, रचनात्मक सोचना कितना महत्वपूर्ण, कैसे सवाल पूछे और उत्तर खोजें। बच्चों ने छोटे समूह में अपने विचार सांझा किए, जिससे उनमें टीम वर्क और सहयोग की भावना विकसित हुई।

राजौंद। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

कल्पनाशीलता-निर्णय क्षमता को बढ़ावा

, तार्किक पहेलियां पूछ कर बच्चों ने समस्या समाधान क्षमता को विकसित किया, रोचक कहानियों के माध्यम से बच्चों में कल्पनाशीलता और निर्णय क्षमता को बढ़ावा मिला। बेहतर सोचने की क्षमता से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है, समस्याओं का हल खोजना आसान लगता है। कार्यक्रम में बच्चों ने अत्यंत उत्साह और रुचि दिखाई, महसूस किया कि सोचने की प्रक्रिया मजेदार और रोचक भी हो सकती है, जिज्ञासु बच्चों ने बताया कि अब वह रोजमर्रा की छोटी-छोटी समस्याओं का सोच समझकर हल करना चाहेंगे। काउंसलर पारुल ने बताया कि सोचना केवल एक कौशल नहीं बल्कि जीवन का मार्गदर्शन है,यह हमें सकारात्मक, आत्मविश्वासी, रचनात्मक और तनावमुक्त जीवन जीने में मदद करता है। अच्छा सोचने वाले छात्रों में सीखने और समझने की क्षमता बेहतर होती है वे दूसरों के दृष्टिकोण को भी भली भांति समझ लेते हैं।

कलायत के श्री कपिल मुनि महिला कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में मौजूद छात्राएं

पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

कैथल। श्री कपिल मुनि राजकीय महिला महाविद्यालय कलायत में पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत किया गया। कार्यशाला में सरस्वती क्लासेस से सौरभ मान व पुष्पेंद्र को आमंत्रित किया गया ।इसका शुभारंभ मंच संचालक शिक्षिका रितु ने सरस्वती क्लासेस से आए अतिथियों का स्वागत किया। शीला ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर वर्ष प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जो छात्राएं स्नातक के साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती हैं उन छात्राओं के लिए यह कार्यशाला बहुत ही फायदेमंद होगी । कार्यशाला के अंतर्गत हर दिन अलग विषय की जानकारी छात्रों को दी जाएगी जैसे हिंदी ,इंग्लिश, गणित और हरियाणा सामान्य ज्ञान आदि विषयों की तैयारी कराई जाएगी।

श्री बालाजी संकीर्तन मंडल ने की गोसेवा

सीवन। श्री बालाजी संकीर्तन मंडल सीवन सेवा, भक्ति और मानवता का संगम है जो पिछले कई वर्षों से गाय माता की सेवा और गौशाला संचालन में निस्वार्थ भाव से जुटा हुआ है। यह मंडल केवल भक्ति का नहीं, बल्कि समाज में एकता, प्रेम और सेवा का संदेश फैलाने वाला संगठन बन चुका है। मंडल के सदस्य तन, मन और धन से गौ सेवा में समर्पित हैं। मंडल के संचालक जगदीश कामरा, कोषाध्यक्ष रामकुमार सिंगला नंदू और युवा समाजसेवी बंटी सैनी सहित सभी सदस्यों के प्रयास से यह संस्था सीवन सहित आसपास के क्षेत्रों में गाय माता के चारे, दवा और देखभाल की व्यवस्था के लिए सतत कार्य कर रही है। मंडल द्वारा समय-समय पर मां भगवती और श्री बालाजी महाराज के भव्य जागरण आयोजित किए जाते हैं, जिनमें भक्तजन रात्रि भर भक्ति रस में डूबकर जय श्री राम और जय श्री बालाजी के जयकारे लगाते हैं।

रत्नावली में टीम बिखेरेगी सांस्कृतिक रंग

कैथल। कुविवि के युवा एवं सांस्कृतिक मामले विभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव 'रत्नावली-2025' का आयोजन 28 से 31 अक्टूबर तक बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया जाएगा। इस महोत्सव में हरियाणा राज्य की विभिन्न विवि के विद्यार्थी कला, संस्कृति और प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन करेंगे। एन आई आई एल एम यूनिवर्सिटी, कैथल युवा एवं सांस्कृतिक विभाग निदेशक डॉ. एकता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस वर्ष की 'रत्नावली' में 25 विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अपनी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएँ लोक नृत्य, पेंटिंग प्रदर्शनी, ऑन-द-स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता, लूर डांस, एकल पुरुष एवं महिला हरियाणवी कोरियोग्राफी, पगड़ी बांध प्रतियोगिता, तथा होटल एवं प्रबंधन विभाग द्वारा तैयार किए जाने वाले हरियाणवी व्यंजन स्टॉल जैसी विभिन्न श्रेणियों में भाग लेंगे। साथ ही, साहित्यिक आयोजन, कविता पाठ, और फैशन शो जैसी प्रतिस्पर्धाएं भी विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों की बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करेंगी।

कैथल। रत्नावली की तैयारियों करती एनआइआइएलएम की छात्राएं।

कैथल। धान खरीद का जायजा लेते भाकियू नेता होशियार गिल व अन्य

भाकियू नेताओं ने किया अनाज मंडी का दौरा

कैथल। भारतीय किसान यूनियन सिद्धपुर की टीम ने कलायत अनाज मंडी का दौरा किया। मैनेजर ने बताया कि सभी सेलर वालों का स्टोक फूल हो गया है उसके बाद हैफेड डीएम अनूप नैन से बात की। उन्होंने कहा कि अम्बाला से सेलर वालों को आरओ नियुक्त किया है। कल तक सभी पहुंच जायेंगे और आज जितना भी सूखा धान है उसकी आज ही खरीद चालू करेंगे। इस अवसर पर भाकियू नेता होशियार सिंह गिल, महावीर लांबा खेड़ी, ब्लॉक प्रधान किताब सिंह कुंडू, सुरेन्द्र पेगा, शमशेर तितरम शामिल रहे। किसान नेताओं का कहना था कि राइस मिलर खरीद अधिकारियों के साथ मिलकर किसानों की धान को औने पौने दामों में खरीद रहे हैं जो सही नहीं है। वे इसे लेकर उच्चाधिकारियों से भी मिल चुके हैं लेकिन कोई भी उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है।

बुढाखेड़ा में खुला बाल सलाह परामर्श केंद्र

जींद। मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी रोहतक एवं राज्य नोडल अधिकारी अनिल मलिक ने कहा कि किशोरावस्था शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास और बदलाव का दौर होता है। इसलिए हार्मोनल बदलाव की सही समझ जरूरी है। किशोर शिक्षा सहजतापूर्ण व्यावहारिक तरीकों व उम्र विशेष के मद्देनजर दी जानी चाहिए। मलिक हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की राज्यस्तरीय परियोजना के तहत आज सफीदों उपमंडल के बूढ़ा खेड़ा गांव स्थित राजकीय कन्या वमावि में राज्य के 190 व जिले के 75वें बाल सलाह, परामर्श व कल्याण केंद्र की स्थापना कर रहे थे। हार्मोनल परिवर्तन, भावनात्मक व सामाजिक सशक्तिकरण को समझनारू एक समग्र दृष्टिकोण विषय पर आयोजित सेमिनार में उपस्थित किशोरियों उनके अध्यापकों को संबोधित करते हुए अनिल मलिक ने कहा कि हार्मोन्स रासायनिक संदेश वाहक हैं जो शरीर में विभिन्न कार्यों का समनव्य करते हैं। किशोरावस्था में होने वाले अधिकांश हार्मोन परिवर्तन स्वाभाविक रूप से होते हैं फिर भी आवश्यक है।

जींद। बच्चों से बात करते अनिल मलिक। फोटो :हरिभूमि

राजकीय स्कूल बेलरखा में बच्चों को पौधों के बारे में जानकारी देते प्रदीप जागलान।

पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान

नरवाना। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय बेलरखा में इको क्लब की गतिविधि के तहत विद्यार्थियों को पौधों का विकास और वृद्धि विषय पर रोचक जानकारी दी गई। इको क्लब इंचार्ज अध्यापक प्रदीप जागलान ने बच्चों को पौधों की वृद्धि ए प्रकाशए जल और मिट्टी के महत्व के बारे में विस्तार से बताया कि पौधे भी सांस लेते हैं और इनमें जीवन होता है। हमें पौधों को रोपित करने के बाद हमेशा उनकी देखभाल करते रहना चाहिए। प्रधानाचार्य बलजीत गोयत ने विद्यार्थियों को बताया कि पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। उनके बिना धरती पर जीवन की कल्पना असंभव है। उन्होंने बच्चों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

केएम राजकीय कालेज में नशे से दूर रहने की शपथ दिलाते उप निरीक्षक नरेश कुमार।

नशा शरीर-परिवार-समाज का सबसे बड़ा शत्रु

नरवाना। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के दिशा निर्देशन में नशा मुक्ति टीम द्वारा केएम राजकीय कालेज नरवाना व सींसर गांव में सर्वे कर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। केएम राजकीय कालेज नरवाना में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते नशा मुक्ति टीम के इंचार्ज उपनिरीक्षक नरेश कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता हैए बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। आप सभी विद्यार्थी देश का भविष्य हो । पढ़ाईए खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाओए नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहो । अगर गांव या आस.पास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। उप निरीक्षक नरेश कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि नशा शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन और समाज के लिए भी जहर है। अंत में सभी विद्यार्थियों और स्टाफ ने नशा और साइबर अपराधों से दूर रहने की शपथ ली ।

45 साहित्यकारों को किया सम्मानित

साहित्यकार सम्मान एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हिंदी साहित्य प्रेरक संस्था पंजी. जींद के तत्वावधान में साहित्यकार सम्मान एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह 2025 का आयोजन हुआ। हिंदी भवन जुलानी रोड में हिंदी साहित्य प्रेरक संस्था ने अपने 65 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में साहित्यकार अलंकरण एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह 2025 का आयोजन किया। अध्यक्षता हिंदी साहित्य प्रेरक संस्था की अध्यक्ष शकुन्तला काजल शकुन ने की गई। डा. धर्मदेव विद्यार्थी ने बतौर विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की।

जींद। सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में नेपाल, अमेरिका एवं भारत के विभिन्न राज्यों से आए कुल 45 साहित्यकारों को 2100 नगद, प्रशस्ति पत्र, चादर व उत्तरीय देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन संस्था के महासचिव डा. बलराज स्नेही द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार रामफल खटकड़, ओम प्रकाश चौहान, देव दत्त देव, सुशीला जांगड़ा, कमलेश गोयत, डा. जगदीप राही, जयदेव अत्री, आजाद जुलानी, कुमारी दीपिका, मंजू मानव, रामकुमार भारतीय कविराज, धर्मवीर आर्य, राजकुमार वर्मा, विकास यशकीर्ति, मनोज वंश, जगदीश चंद्र पांचाल, रानी सोनिया पांचाल, राजकुमार नैन, दिनेश शर्मा, रमेश धारीवाल, जितेंद्र अहलावत, बिशंबर तिवारी, दीपिका बिंदल एवं सुरेंद्र शर्मा, दिनेश शर्मा आदि कविवृंद मौजूद रहे। सम्मानित होने वाले साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं समागार को मंत्र मुग्ध किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार हरिश्चंद्र बंधु ने हरियाणवी बोली में अपनी रचना पेश कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम बहुत ही भव्य रहा।

जींद। शहर में स्वच्छता रैली निकालते हुए। फोटो :हरिभूमि

शहर में निकाली स्वच्छता रैली

जींद। शहरी स्थानीय निकाय विभाग पंचकूला के अंतर्गत हरियाणा शहरी स्वच्छता अभियान के तहत सोमवार को उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा के मार्गदर्शन में तथा डीएमसी सुरेंद्र सिंह के दिशा-निर्देशन में स्वच्छता परेड का आयोजन किया गया। परेड का शुभारंभ कार्यकारी अधिकारी नगर परिषद रिषिकेश चौधरी द्वारा सफीदों रोड के नेहरू पार्क से गोहाना रोड स्थित शहीदी पार्क तक हरी झंडी दिखाकर किया गया। परेड के दौरान नगर में स्वच्छता रैली भी निकाली गई। जिसमें सभी सफाई दरोगा तथा लगभग 60 सफाई मित्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने नगरवासियों से अपील की कि वे स्वच्छता को अपनी आदत बनाएं न कि मजबूरी ताकि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार किया जा सके। इस अवसर पर आईईसी एक्सपर्ट संजीव चहल, नीलम, सीटीएल दिक्षांत, तथा स्वच्छ भारत मिशन 2.0 की टीम उपस्थित रही।

समाधान शिविर में 11 फरियादी पहुंचे

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने सोमवार को लघु सचिवालय के समागार में आयोजित समाधान शिविर में आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। शिविर में कुल 11 शिकायतें पंजीकृत की गई और उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों का त्वरित, समयबद्ध तथा पारदर्शी निपटारा किया जाए ताकि किसी को समस्या बार-बार प्रस्तुत न करनी पड़े।

सूचना

मैं, राजेश कुमार पुत्र श्री अभेराम निवासी क्वार्टर नंबर C-127, पुलिस कॉलोनी जींद बयान करता हूं कि मेरी रजिस्ट्री जिसका डी डी नंबर 4747/16-11-18 कहीं गुम हो गई है। जिसकी पुलिस रिपोर्ट मैंने थाना सिविल लाईन जींद में 27.10.2025 को दर्ज करवा दी है।

एमडीएन ग्लोबल स्कूल में तंबाकू निषेध पर जागरूकता सत्र

सर्वांगीण विकास के लिए मानसिक स्वास्थ्य जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एमडीएन ग्लोबल स्कूल कैथल में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम, डी.सी.एच. कैथल द्वारा "मानसिक स्वास्थ्य एवं तंबाकू निषेध" विषय पर एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों में मानसिक स्वास्थ्य, नशा मुक्ति और सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. विनोद कुमार, डायरेक्टर, निधि कंसल, चेयरपर्सन, गौरव गर्ग, मैनेजर व प्रधानाचार्य, डॉ. सन्त कौशिक ने दीप प्रज्वलन कर किया। स्वागत भाषण में डॉ. सन्त कौशिक ने विद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए मानसिक स्वास्थ्य को अत्यंत आवश्यक बताया। सत्र का संचालन निधि एवं प्रीति, डीसीएच कैथल टीम की ओर से किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवादात्मक शैली में चर्चा करते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों जैस परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन, बच्चों और किशोरों में अवसाद की पहचान और समाधान, सोशल मीडिया एवं मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव नशे और अन्य आदत-निर्माण करने वाले पदार्थों से बचाव, आत्महत्या रोकथाम के उपाय,स्वस्थ जीवन के लिए आहार, व्यायाम एवं सकारात्मक सोच की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी।

कैथल। एमडीएन ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थी पदाधिकारियों के साथ। फोटो :हरिभूमि

कार्यक्रम आयोजित का संकल्प

कार्यक्रम में छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक जिज्ञासाएं पूछीं, जिनका विशेषज्ञ टीम ने सरल और प्रभावशाली उत्तर देकर समाधान किया। इस अवसर पर छात्रों में विषय के प्रति गहरी रुचि देखने को मिली। उत्कृष्ट प्रश्न पूछने वाले विद्यार्थियों को रिसोर्स पर्सन द्वारा पुरस्कार स्वरूप उपहार प्रदान किए गए, जिससे उन्हें प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. विनोद कुमार ने रिसोर्स पर्सन को धन्यवाद ज्ञापित करते उन्हें स्मृति चिन्ह एवं सम्मान-पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के मानसिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक कदम हैं। विद्यालय परिवार ने इस सफल आयोजन के लिए टीम का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

ग्राम पंचायत पौंकरी खेड़ी-सिरसा खेड़ी खंड व जिला जींद (हरियाणा)

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गांव पौंकरी खेड़ी में दिनांक 07.11.2025 को सामान्य चौपाल में प्रातः 11 बजे सरेआम-काला वाला तालाब (4 Acre) ताजा वाला तालाब (1Acre) व दखलु वाला तालाब की बोली 5 वर्ष हेतु पट्टे पर मछलीपालन के लिए ग्राम पंचायत द्वारा करवाई जाएगी। जिसकी नियम व शर्तें मौके पर सुनाई जाएंगी। जमानत राशि 25000/-रू ली जाएगी।

ग्राम सचिव
स्वीटी
मो. नं. 8708198842

सरपंच
राजकुमार
ग्राम पंचायत-पौंकरी खेड़ी
मो.नं. 9466612428

खबर संक्षेप

तीन व चार नवंबर को होगा युवा महोत्सव

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि कैथल आईटीआई में तीन व चार नवंबर को जिला युवा महोत्सव का भव्य आयोजन होगा। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की जाएंगी। युवक युवतियां दो नवंबर तक पंजीकरण कर प्रतिभागी बनें और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत लोक गीत समूह, लोक नृत्य समूह, कहानी लेखन, कविता लेखन, पेंटिंग, भाषण प्रतियोगिता, विज्ञान मेला एकल व ग्रुप तथा लोक वाद्य यंत्र वादन एकल व ग्रुप प्रतियोगिता करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि जिला युवा महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। आयोजन को भव्य बनाने के लिए टीमें लगी हुई है।

सैनिक स्कूल में 30 तक करें ऑनलाइन आवेदन

कैथल। सैनिक स्कूल कुंजपुरा के प्रधानाचार्य गुरबीर सिंह ने बताया कि सैनिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छठी व नौवीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। इच्छुक उम्मीदवार स्कूल की वेबसाइट पर 30 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा का विवरणिका भी इसी वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि सैनिक स्कूल कुंजपुरा रक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख संस्थान है, जिसका प्राथमिक लक्ष्य कैडेट्स को देश की सशस्त्र सेनाओं में अधिकारी बनने के लिए तैयार करना है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छठी कक्षा में प्रवेश के लिए लगभग 120 सीटें व नौवीं में 20 सीटें उपलब्ध हैं।

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस होंगी प्रतियोगिताएं

जींद। गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश भर के राजकीय विद्यालयों की कक्षा 9 से 12 में पढने वाले विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन व कहानी वाचन प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएंगी। जिला शिक्षा अधिकारी रोहताश वर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में गुरु तेग बहादुर हिंद की चादर के जीवन बलिदान एवं शिक्षाओं के प्रति जागरूकता में वृद्धि करने, न्याय, साहस एवं विविधता के प्रति सम्मान जैसे मूल्यों के साथ छात्रों में भाषावीए सांस्कृतिक एवं रचनात्मक क्षमताओं का विकास करना है।

एंटी व्हीकल थैफ्ट टीम कैथल ने एक साल में रिकॉर्ड बनाया

20 में से 16 गैंग किए धराशायी 299 मामलों को किया गया ट्रेस

164 आरोपी गिरफ्तार, ट्रांसफार्मर चोरी से लेकर किडनैपिंग तक बड़े मामलों में भी कार्रवाई की गई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। डीएसपी सुशील प्रकाश व एवीटी इंचार्ज प्रदीप कुमार को सम्मानित करते गांव भागल के ग्रामीण। *फोटो : हरिभूमि*

जिले में वाहन चोरी और संगठित अपराधों पर नकेल कसने के लिए गठित एंटी व्हीकल थैफ्ट (एवीटी) टीम कैथल ने बीते एक साल में ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जिसकी पूरे जिले में चर्चा है। अकेले एवीटी ने जिले में सक्रिय 20 गैंगों में से 16 गैंगों को धर दबोचते हुए 299 मामलों को ट्रेस किया और कुल 164 आरोपियों को गिरफ्तार किया। वाहन चोरी के साथ-साथ नशा तस्करी, अवैध असलाह, किडनैपिंग और स्नैचिंग जैसे मामलों में भी एवीटी टीम ने तेजी से कार्रवाई कर क़ानून के प्रति आमजन का विश्वास मजबूत किया है। एवीटी टीम का नेतृत्व कर रहे सब इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार इससे पहले लगभग 10 साल तक कैथल सीआईए में तैनात रहे हैं। उनकी पहचान एक ऐसे अधिकारी के रूप में है, जो कठिन से कठिन केस को भी सटीक इंटेलिजेंस, निगरानी और नेटवर्किंग के दम पर सुलझा लेते हैं। बीते एक साल में एवीटी इंचार्ज के रूप में उनके नेतृत्व में टीम ने न सिर्फ मामले ट्रेस किए, बल्कि अपराध के कई नेटवर्क भी जड़ से खत्म किए हैं। एसपी राजेश कालिया उन्हें चार बार, एसपी आस्था मोदी दो बार और मौजूदा एसपी उपासना एक बार सम्मानित कर चुकी हैं।

एक साल में एवीटी टीम की उपलब्धियां

श्रेणी	संख्या
जांच के लिए आए मामले-	99
ट्रेस किए गए मामले -	86
नशा तस्करी -	12
अवैध असला	07
किडनैपिंग	02
स्नैचिंग	02
सट्टा बाजी	02
अवैध शराब	03
कुल गिरफ्तार	164
अन्य मुकदमे ट्रेस	143
कुल गैंग ढबोचे	16
पेंडिंग गैंग	02

एक केस से 39 ट्रांसफार्मर चोरी के मामले हल

जिले में ट्रांसफार्मर चोरी लंबे समय से बिजली निगम व ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी बनी हुई थी। इस मामले में एवीटी टीम ने एक ही केस की गहन जांच के आधार पर ऐसे तार जोड़ दिए कि पूरे गिरोह का नेटवर्क सामने आ गया। टीम ने न सिर्फ चोरी हुए ट्रांसफार्मरों को बरामद किया बल्कि चोरी करने वाले गिरोह, बेचने की चैन और सप्लाई कनेक्शन तक को ध्वस्त कर दिया। यह उपलब्धि जिले में एक बड़ी कामयाबी के रूप में देखी जा रही है।

नशा और संगठित अपराध पर सीधे प्रहार

एवीटी टीम ने कलायत क्षेत्र में नशा तस्कर गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 200 किलो डोडा पोस्त बरामद किया। वहीं एक्स बॉयफ्रेंड द्वारा प्रेमिका के अपहरण के संवेदनशील मामले को भी टीम ने तुरंत सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। टीम ने स्नैचिंग, सट्टा बाजी, अवैध शराब और हथियारों की सप्लाई से जुड़े मामलों में भी प्रभावी कार्रवाई की है।

टीम की भूमिका और सहयोग

एवीटी की सफलता सिर्फ नेतृत्व तक सीमित नहीं रही, बल्कि टीम वर्क इसका सबसे बड़ा आधार रहा। डीएसपी सुशील प्रकाश के नेतृत्व में और एवीटी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार के साथ एस.आई शुभकरण, एस.आई जयभगवान, एएसआई जसमेर सिंह, एएसआई अशोक, हेड कांस्टेबल ईशम, हेड कांस्टेबल लखविंदर, हेड कांस्टेबल सुनील, लेडी हेड कांस्टेबल सुदेश, कांस्टेबल कैलाश, ड्राइवर संदीप, सुभाष सहित होमगार्ड व एसपीओ के जवानों ने निर्णायक भूमिका निभाई।

भागल में चोरी की 100 प्रतिशत रिकवरी

भागल गांव में चोरी के एक मामले में एवीटी टीम द्वारा की गई 100 प्रतिशत रिकवरी का ग्रामीणों ने खुले तौर पर स्वागत किया। ग्राम पंचायत ने पुलिस टीम को सम्मानित कर यह संदेश दिया कि जब पुलिस ईमानदारी व तत्परता से काम करती है, तो समाज उसके साथ खड़ा होता है। यह घटना पुलिस और जनता की सहभागिता की मिसाल बन गई।

गहरी नेटवर्किंग ही एवीटी की पहचान

एवीटी टीम की बड़ी खासियत है – मौके पर तेज़ पहुंच, सीमित संसाधनों में भी सटीक सूचना तंत्र और अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार नज़र। कई आरोपी ऐसे थे जो लंबे समय से फरार चल रहे थे और विभिन्न जिलों व राज्यों में छिपे हुए थे। टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और फील्ड इंटेलिजेंस को संयोजन में उपयोग करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया।

कुल ट्रेस मामले 299

जनता की सुरक्षा के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी रहेगी जारी: एसपी

एसपी उपासना ने कहा कि एवीटी टीम ने संगठित अपराध पर प्रभावी कार्रवाई कर उत्कृष्ट कार्य किया है। टीम ने न सिर्फ आरोपियों को पकड़ा बल्कि नेटवर्क भी तोड़ा, जो बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था और जनता की सुरक्षा के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ढांड मार्केट कमेटी के चेयरमैन व उपाध्यक्ष ने संभाला पदभार

ढांढ। अशोक गुर्जर ढांड व सचिव देवेंद्र मोर चेयरमैन विजेंद्र मैहला व वाइस चेयरमैन जय सिंह को पद भार ग्रहण करवाते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

■ किसानों और व्यापारियों के हित ही मेरी पहली प्राथमिकता: विजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढांड

ढांड मार्केट कमेटी के नवनिर्वाचित चेयरमैन विजेंद्र मैहला जड़ौला व वाइस चेयरमैन जय सिंह गुर्जर माजरा ने आज विधिवत रूप से कार्यभार संभाल लिया।

इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष एवं हरियाणा वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक गुर्जर व जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने शिरकत की।भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने कहा कि विजेंद्र मैहला जैसे युवा और ऊर्जावान व्यक्ति के नेतृत्व में मंडी में नई ऊर्जा और नई दिशा आएगी।

उन्होंने कहा भाजपा सरकार हमेशा किसान हितैषी रही है। मार्किट कमेटी का मकसद सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि किसान को सम्मान और सुविधा देना है। गुर्जर ने चेयरमैन को बधाई देते हुए कहा कि विकास कार्यों में सरकार का पूरा सहयोग रहेगा। अशोक गुर्जर ने कहा कि देशभर में भाजपा ही एक ऐसे इकलौती पार्टी है जो हर कार्यकर्ता का मान और सम्मान करती है। जिस प्रकार से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक कार्यकर्ता से मुख्यमंत्री के पद पर नवाजा गया है उसी प्रकार से विजेंद्र मैहला को भी एक छोटे से कार्यकर्ता से मार्केट कमेटी ढांड का चेयरमैन बनाया गया है। मार्केट कमेटी में वाइस चेयरमैन जय सिंह सोलूमाजरा ने कहा कि मैं एक छोटा सा भाजपा का कार्यकर्ता हूं जिसको वाइस चेयरमैन पद देकर मेरा सम्मान किया है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनीता चौधरी, पूर्व चेयरमैन ईशम सिंह साकरा, पुंडरी के वाइस चेयरमैन देवीदयाल बरसाना,अमित टाया, सुरजभान बंदराना, ज्योति सैनी,सरपंच शमशेर सिंह शेरु, कृष शयोकंद जाजनपुर व नरेश आढ़ती कौल भी उपस्थित थे।

राजौंद में कैथल-अंसध मार्ग टूटा

डेढ़ महीने से ज्यादा समय बीत चुका है अभी तक सड़क के निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

राजौंद। शहर के मुख्य मार्ग की टूटी हुई दशा का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

राजौंद का मुख्य कैथल असंध मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिला उपायुक्त के दौरे के दौरान दो अक्टूबर तक पब्लिक हेल्थ को पीडब्ल्यूडी विभाग को हैंडओवर करने की बात कही गई थी और लोगों को उम्मीद जगी थी कि शायद अब सड़क का निर्माण कार्य जल्दी ही पूरा हो जाएगा। लेकिन इस बात को भी डेढ़ महीने से ज्यादा समय बीत चुका है अभी तक भी सड़क के निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ। यहां तक की अभी तक पब्लिक हेल्थ ने भी अपना कार्य पूरा नहीं किया। जिससे लोगों में आए दिन रोष बढ़ रहा है। क्योंकि सड़क से गुजरना किसी खतरे से खाली नहीं है। सड़क इतनी जर्जर हो चुकी है कि एक कदम भी नहीं चला जा सकता। जगह-जगह सड़क पर बने गहरे गड्ढों से निकलना किसी भी खतरे से खाली नहीं है।हालत यह बने हुए हैं कि 5 मिनट का रास्ता 20 से 25 मिनट में तय होता है। कई बार एक साइड में अगर कोई गाड़ी फंस जाएं तो लंबा जाम तक लग जाता है। लेकिन संबंधित विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा और जिला उपायुक्त के आदेशों को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। सड़क की हालत देखकर हर गुजरने वाला यही कहता है कि राजौंद शहर की यह दशा देखकर नहीं लगता कि यहां नगर पालिका है।

सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं

भाजपा कार्यकर्ताओं ने गांव मुन्नारेडी में किया बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

पूंडरी। गांव मुन्नारेहड़ी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए कार्यकर्ता।

गांव मुन्नारेडी में भाजपा युवा जिला महामंत्री जॉनी महिला के निवास स्थान पर एक पार्टी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने शिरकत की। कार्यक्रम में पार्टी संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के विषय पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में साझा किए गए विचारों पर भी कार्यकर्ताओं ने विमर्श किया। पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने कहा कि भाजपा एक ऐसा संगठन है जो जनता की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए लगातार काम करता है। कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और योजनाओं को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इन योजनाओं से वंचित न रह सके।

प्रदेश सरकार हर वर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर नीतियां बना रही है, चाहे वह किसान, मजदूर, महिला, युवा या व्यापारी वर्ग हो। सरकार का उद्देश्य सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र को साकार करना है।

स्मृति चिन्ह दिया

इस अवसर पर मार्केट कमेटी पूंडरी के वाइस चेयरमैन देवीदयाल बरसाना, भाजपा युवा जिला महामंत्री जॉनी मैहला, अमित टाया, अमित सैनी, राजेश सरपंच, अशोक सांच सहित क्षेत्र के अनेक भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने मुख्यातिथि अशोक गुर्जर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। गेहूं, धान, सरसों, बाजरा, कपास सहित अनेक फसलों पर समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है।

नॉर्दन रेलवे मेंस यूनियन ने मांगों का ज्ञापन डिप्टी स्पीकर को सौंपा

जींद लॉबी पर दोबारा मेल का मुख्यालय बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। मांगों को लेकर डिप्टी स्पीकर को ज्ञापन सौंपते हुए रेलकर्मी। फोटो : हरिभूमि

नोर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन जींद शाखा सचिव मेहर सिंह द्वारा रनिंग कर्मचारियों की मांगों को लेकर यूनियन कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बतौर मुख्यअतिथि डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कार्यक्रम में शिरकत की। रनिंग कर्मचारियों की मांगों का पत्र डिप्टी स्पीकर को दिया गया। इसमें एक जींद लॉबी पर दोबारा मेल का मुख्यालय बनाया और कुछ गाडिय़ों का संचालन करवाया जाए। मेहर सिंह ने कहा कि प्लेटफार्म नंबर एक से चार तक बन रहे एफओबी को रनिंग रूम तक बढ़ाया जाए ताकि रनिंग स्टाफ को रनिंग रूम जाने में परेशानी नहीं हो। गाड़ी संख्या अमृतसर हजूरसाहब नांदेड का स्टापेज जींद स्टेशन पर भी किया जाए ताकि अमृतसर-ब्यास जाने वाले पैसेंजर को सुविधा मिल सके। अमृतसर हजूरसाहब नांदेड गाड़ी के ठहराव की मांग श्रद्धालु भी कई बार उठा चुके हैं।

डीबीके स्कूल की टीम ने राष्ट्रीय समूह गायन में प्राप्त किया प्रथम स्थान

इस प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने दमखम दिखाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

नरवाना। डीबीके स्कूल की विजेता टीम को सम्मानित करते हुए भाविप सदस्य।

डीबीके पब्लिक स्कूल ने आदर्श बाल विद्या मंदिर स्कूलए नरवाना के प्रांगण में भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय समूह गायन प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने भाग लियाए जिसमें डीण्बीण्केण् पब्लिक स्कूल ने पहला स्थान प्राप्त किया। छात्रों ने इस समूह गीत प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत की और निरंतर प्रयासों के बाद पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में आदर्श बाल मंदिर स्कूल की टीम दूसरे स्थान पर रही और पीण्एमण् श्री राजकीय स्कूल भाणा ब्राह्मणा की टीम तीसरे स्थान पर रही । इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के मध्य प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश मित्तल व मध्य प्रांत के संस्कार संयोजक संजय चौधरी अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। डीण्बीण्केण् पब्लिक स्कूल के निदेशक राजेश शर्माए प्राचार्य रीता कुमारी ने विशेष रूप से संगीत शिक्षक जलविंद्र को छात्रों की समर्पित तैयारी और प्रयासों के लिए बधाई दी। कॉस्ट्यूम और मेकअप की टीमए जिसमें रेनूए प्रेरणा कौशिक शामिल थीं ने छात्रों को प्रस्तुति के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खापड़ गांव में खंड स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता में विजेताओं का सम्मान

मुख्य अतिथि के तौर पर हरप्रीत सिंह जिला समन्वयक जींद ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

उचाना। खापड़ में आयोजित प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी। *फोटो :हरिभूमि*

मेरा युवा भारत संस्था ने खापड़ गांव में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के तौर पर हरप्रीत सिंह जिला समन्वयक जींद ने शिरकत की। हरप्रीत ने कहा कि खेलों से खिलाड़ियों का मानसिक और शारीरिक विकास होता है। समय के सदुपयोग और साथ में काम करने की भावना पैदा होती है। भगत सिंह युवा संगठन के प्रधान रवि डोर ने कहा कि मेरा युवा भारत द्वारा समय-समय पर ऐसे खेलों का आयोजन करवाया जाता है जिससे ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। प्रतियोगिता मेरा युवा भारत उचाना के स्वयंसेवक तनु की देखरेख में हुई। प्रतियोगिता के अंत में सरपंच प्रतिनिधि मनोज सांगवान ने विजेता खिलाड़ियों, रेफरी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। नेशनल कबड्डी, लंबी कूद और 400 मीटर दौड़ में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। करीब 180 खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। लड़कों की लंबी कूद में अंकित खापड़ ने प्रथम, केशव पालवां ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जाट शिक्षण संस्थान के लिए गणमान्य लोगों ने दी 5 लाख की दान राशि

कैथल। जाट शिक्षण संस्थान कैथल के विकास में उन्नति के लिए गांव गुहणा, दिल्लोंवाली व हरिपुरा के समाज से संबंध रखने वाले गणमान्य लोगों ने संस्था को 500000 का दान दिया। जाट हाई स्कूल सोसाइटी प्रबंधक समिति के प्रधान राजकुमार बैनिवाल, उप प्रधान बलजिंदर बनवाला, महासचिव एडवोकेट रश्मि ढुल, कोषाध्यक्ष बलकार नैन व कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सत्यवान माजरा, दलबीर कैरो, महावीर रविश, महावीर कुंडू, कुलदीप सिंह, विक्रम सोंगल, रजत रापड़िया, जसवीर मानस, राजपाल गुहणा ,सनी चौशाला, स्वतंत्र पाल सिंह ने मिलकर सभी गणमान्य लोगों का फूल- मालाओं के साथ स्वागत किया व संस्था के विकास में सहयोग राशि देने के लिए सभी का आभार प्रकट किया। जाट हाई स्कूल सोसाइटी के प्रधान राजकुमार बैनिवाल ने बताया कि शिक्षण संस्थान में लगभग 3500 छात्र-छात्राएं विभिन्न कोर्स में दाखिला लेकर पढ़ाई करते हैं। शिक्षण संस्थान को सरकार की तरफ से कोई आर्थिक सहायता नहीं मिलती। यह शिक्षण संस्थान संस्था प्रेमी दानवीरों के सहयोग से ही आगे बढ़ रहा है। जाट हाई स्कूल प्रबंधन समिति भी कमजोर वर्ग के छात्रों व पढ़ाई के साथ खेलों में अव्वल रहने वाले छात्रों की निरंतर आर्थिक तौर पर मदद करती है।

जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार ने किया खिलाड़ियों को सम्मानित

रस्साकस्सी में लड़कियों में गुहला प्रथम और कैथल द्वितीय रहा

प्राथमिक स्कूल खेलकूद में छात्रों ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार अव्वल रहे खिलाडियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

जिला स्तरीय प्राइमरी स्कूल क्रीडा प्रतियोगिता 2025 का आयोजन महाराजा सूरजमल जाट स्टेडियम कैथल में हुआ । जिसका शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी कैथल सुरेश कुमार ने किया। सुरेश कुमार ने विभिन्न ब्लॉकों से आए हुए खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए खेलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया । उन्होंने हाल ही में कैथल जिला के राज्य स्तरीय स्कूली प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन की तारीफ की। उन्होंने व्यक्ति के जीवन में खेलों के महत्व के बारे में भी बच्चों को बताया। उपरोक्त खेलों को संपन्न करवाने में रमेश चहल सहायक शिक्षा अधिकारी खेल ने कार्यों का संचालन किया । इस मौके पर जिला स्तरीय खेलकूद के इंचार्ज अनिल छाबड़ा, खेल सचिव जितेंद्र पुरी, सुपरिटेंडेंट सुरेश शर्मा, विजेंद्र मोर , बलबीर पहलवान, विजेंद्र , नरमैल सिंह , कृष्ण कुमार प्रवक्ता, चरण सिंह, कुलदीप शर्मा,जोगिंदर सिंह, बलजीत सिंह , अनुराधा डीपी, हकिकत राय, जयप्रकाश, नीलम कुमार,भूप सिंह डीपी, सुभाष पीटीआई, अनिल दलाल, अनुराग बिढान, सुखविंदर डीपी,विमल कुमार प्रवक्ता, जगदीश कोबरा पीटीआई, गौरव पीटीआई, राजेश ढिल्लों , देवेंद्र डीपी, शमशेर सिंह डीपी, नक्षत्र सिंह आदि ने अपना योगदान दिया ।

यूं रहे परिणाम

कबड्डी प्रथम स्थान कैथल, दूसरा स्थान गुहला, लड़कियों प्रथम स्थान राजोंद, दूसरा स्थान कैथल, रस्साकस्सी में लड़कियों में गुहला प्रथम ,कैथल द्वितीय, लड़कों में भी गुहला प्रथम ,कैथल द्वितीय रहा ।शतरंज में लड़कों में कैथल प्रथम ,कलायत द्वितीय रहा। लड़कियों में कैथल प्रथम राजोनद द्वितीय रहा। कैरम प्रतियोगिता में लड़कों मेंपुंडरी प्रथम कैथल द्वितीय, लड़कियों में भी पुंडरी प्रथम कैथल द्वितीय रहा। खो खो प्रतियोगिता में लड़कों में कैथल प्रथम, राजेंद्र दूसरे स्थान पर रहा ।लड़कियों में कैथल प्रथम तथा पुंडरी दूसरे स्थान पर रहा। एथलेटिक्स के मुकाबले में लड़कों में 100 मीटर में प्रीत सिंह राजोद प्रथम तथा गर्वित कैथल दूसरे स्थान पर रहा। लड़कों में 200 मीटर मे प्रीत सिंह राजोद प्रथम यशवीर शर्मा कैथल दूसरे स्थान पर रहा। 400 मीटर में यशवीर कैथल प्रथम तथा तुषार कैथल द्वितीय स्थान पर रहा। लड़कियों में 100 मीटर में दीपांशी प्रथम तथा मन्नत कलायत दूसरे स्थान पर रही ।200 मीटर में मनित राजोद प्रथम तथा गुंजन कैथल दूसरे स्थान पर रही 400 मीटर में हर्षिता कैथल प्रथम तथा नैना राजोद दूसरे स्थान पर रही ।लंबी कूद में मन्नत कलायत प्रथम स्थान पर तथा गरिमा राजोद दूसरे स्थान पर रही। इस प्रतियोगिता में कैथल जिला के प्राइमरी स्कूलों के अंडर 11 लड़के व लड़कियों ने भाग लिया।